ओउम्

महर्षि दयानंद सरस्वती पीठ

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय , रोहतक , हरियाणा

वेद गुरुकुलम् करालमन्ना (आर्य समाज वेल्लिनेशी केरल की एक इकाई). और आर्य समाज द्वारका सेक्टर 11. नई दिल्ली के साथ

अंतर्राष्ट्रीय सत्यार्थ प्रकाश ऑनलाइन प्रतियोगिता

परीक्षा की तिथि = 20 नवंबर 2021

पंजीकरण की अंतिम तिथि = 10 नवंबर 2021

REGISTER NOW

प्रतियोगिता के लिए अब रजिस्टर करें : satyarthprakash.vedagurukulam.org/grasp

विशेष परीक्षा वेबसाइट: sathyarthprakash.vedagurukulam.org

वेद गुरुकुलम् करालमन्ना वेबसाइट : vedagurukulam.org

सत्यार्थ प्रकाश लाइब्रेरी वेबसाइट : sathyarthprakash.vedagurukulam.org/library

आर्य समाज वेल्लिनेशी, केरल वेबसाइट : aryasamajkerala.org.in

प्रतियोगिता के बारे में अधिक जानकारी के लिए हमारी विशेष परीक्षा वेबसाइट पर जाएँ

सहयोगी –संस्थाएँ

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली
आर्य प्रतिनिधि सभा, अमेरिका
आर्य सभा, मॉरीशस
ऋषि दयानन्द संस्थान, मॉरीशस
आर्य प्रतिनिधि सभा, फिजी
आर्य प्रतिनिधि त्रिनिडाड , दक्षिण अमेरिका
आर्य प्रतिनिधि सभा, दक्षिण अफ्रीका ,
इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर वैदिक साइंसेज , कनाडा
सत्य सनातन वैदिक संस्था, सूरीनाम, दक्षिण अमेरिका
आर्य प्रतिनिधि सभा और आर्य समाज मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया
वैदिक प्रतिनिधि सभा और आर्यसमाज ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया inc
आर्य समाज नीदरलैंड्स
फेडरेशन ऑफ आर्य समाज नीदरलैंड्स
सेंट्रल आर्य समाज, गयाना, दक्षिण अमेरिका
हिंदू सेंटर ऑफ़ अटलांटा, यूएसए
आर्य दिवाकर, सुरीनाम , दक्षिण अमेरिका
आर्य समाज क्राइस्टचर्च, न्यूजीलैंड
बांग्लादेश अग्निवीर
नेपाल आर्यसमाज केन्द्रीय सभा, काठमांडू

ग्रास्प 2021

श्रीमती गिन्नी देवी आर्य- रत्न पंडित रतिराम शर्मा
सत्यार्थ प्रकाश प्रतियोगित

परीक्षा की तिथि : 20 नवंबर 2021
परीक्षा का समय : भारतीय मानक समय (IST)
समय जोन 1 : 10 पूर्वाह्न से 11:30 पूर्वाह्न तक
समय जोन 2 : 10:00 अपराह्न से रात 11:30 बजे तक

सत्यार्थ प्रकाश क्यों पढ़े ?

वीर सावरकर ने मुस्लिम लीग सरकार (अब पाकिस्तान में) द्वारा सत्यार्थ प्रकाश पर लगाए गए अन्यायपूर्ण प्रतिबंध को हटाने के लिए शुरू किए गए सत्याग्रह के दौरान भाषण देते हुए कहा था ' यह कोई किताब नहीं है, यह किसी भी ठण्डे खून वाले इन्सान में जोश और उत्साह- भावना उत्पन्न कर सकती है।'

- यह अन्धविश्वासों का संहारक है।
- यह एक घोषणापत्र है जो बच्चों और राष्ट्र के व्यक्तित्व को आकार देता है।
- वेदाध्ययन महिलाओं और शूद्रों का अधिकार है, यह वेद मन्त्रों के प्रमाणों सहित बताने वाली आधुनिक भारत की पहली पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश है।
- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक ' द टर्मिनोलॉजी ऑफ द वेद' के लेखक पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी ने कहा था कि उन्होंने इस पुस्तक को 18 बार पढ़ा और उन्हें हर बार पढ़ने पर गहरी अंतर्दृष्टि मिली।
- वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी पंजाब - केशरी लाला लाजपत राय ने कहा था कि मेरे पिता इस्लाम की ओर झुक रहे थे, सत्यार्थप्रकाश पढ़ने के बाद उनका झुकाव वैदिक धर्म की ओर हो गया ।

सत्यार्थ प्रकाश पढ़ें और वेदों के साथ आगे बढ़ें . . .

परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र संस्कृत, मलयालम, तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मराठी, गुजराती, पंजाबी, उड़िया, बांग्ला , असमिया, नेपाली, हिंदी, अंग्रेजी, फ्रेंच, पुर्तगाली, कोरियाई, रूसी, जर्मन और डच में होगा। मांग और आवश्यकता के आधार पर अन्य भाषाओं को भी शामिल किया जा सकता है।

परीक्षा विवरण

प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे
सत्यार्थप्रकाश में 14 समुल्लास (अध्याय) हैं। यह परीक्षा 1,2,3 और 7 से 10 (कुल सात समुल्लास) पर आधारित होगी।
विदेशी प्रतिभागियों के लिए परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाएगी
स्तर 1 और स्तर 2
स्तर 1 में अध्याय 2,3 और 10 के प्रश्न होंगे।
स्तर 2 में अध्याय 1, 2, 3, 7, 8, 9 और 10 के प्रश्न होंगे।
सत्यार्थ प्रकाश अध्यायों की तैयारी के आधार पर विदेशी प्रतिभागी किसी एक स्तर का विकल्प चुन सकते हैं।
16 वर्ष या उससे कम आयु का कोई भी प्रतिभागी अध्याय 2 ,3 और 10 के प्रश्नों के साथ स्तर 1 का प्रतिभागी होगा। भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से 16 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागी अध्याय 1,2, 3, 7, 8, 9 और 10 के प्रश्नों के साथ स्तर 2 में प्रतिभागी होंगे।
सत्यार्थ प्रकाश की सॉफ्ट कॉपी हमारी वेद गुरुकुलम् ऑनलाइन एजुकेशन वेबसाइट vedagurukulam. org पर उपलब्ध ऑनलाइन लाइब्रेरी से मुफ्त में डाउनलोड की जा सकती है।

परीक्षा 2 आयु समूहों में आयोजित की जाएगी - 20 नवंबर 2021 को जिनकी
अ. आयु 16 वर्ष या उससे कम हो
आ. आयु 16 वर्ष से अधिक हो
गुरुकुल के ब्रह्मचारी और आचार्य, आर्य समाज के पंडित, पंडिता, (अतीत और वर्तमान) केवल प्रमाण पत्र के लिए पात्र हैं।

प्रतिभागियों से पंजीकरण या किसी अन्य कार्य के लिए के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 नवंबर 2021 है।
तैयारी करने और पुरस्कार जीतने के लिए पर्याप्त समय पाने के लिए, शीघ्रातिशीघ्र पंजीकरण/ रजिस्ट्रेशन करें।
इच्छुक व्यक्ति हमारी वेबसाइट sathyarthprakash. vedagurukulam. org/ grasp पर जाकर अपना नाम दर्ज / रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं.

जो लोग मलयालम सत्यार्थप्रकाश की हार्ड कॉपी खरीदना चाहते हैं, वे आर्य समाज वेलिनेझी, केरल वेब पोर्टल aryasamajkerala. org. in के प्रकाशन विभाग के माध्यम से ऑर्डर दे सकते हैं।
परीक्षा आयोजित करने और परिणामों की घोषणा के लिए नियम बनाना आयोजकों का विशेषाधिकार होगा और उनका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

परीक्षा के बारे में अधिक जानकारी के लिए, हमारे मुख्य परीक्षा- समन्वयक श्री के. एम. राजन, आर्य प्रचारक और अधिष्ठाता ,वेद गुरुकुलम्, करालमन्ना, केरल से +91 79070 77891 (सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक) पर संपर्क करने में संकोच न करें।
व्हाट्सएप के माध्यम से सम्पर्क करने के लिए +91 79070 77891 का उपयोग करें।
हमारे परीक्षा- संयोजक प्रोफेसर रवि प्रकाश आर्य, चेयर प्रोफेसर महर्षि दयानंद सरस्वती चेयर, एमडीयू से +91 93 130 33917 पर संपर्क किया जा सकता है।
तकनीकी प्रश्नों और वेबसाइट से संबंधित प्रश्नों के लिए हमारी तकनीकी टीम से + 91 964 5039 404 पर संपर्क करें।

पुरस्कार

पुरस्कार इस प्रकार होंगे-

आयु समूह 16 वर्ष तक

ए. भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से आने वाले प्रतिभागियों के लिए
3 प्रथम, 3 द्वितीय और 10 तृतीय आर्य- रत्न पंडित रतिराम शर्मा और श्रीमती गिन्नीदेवी पुरस्कार
बी . विदेश से प्रतिभागियों के लिए
3 प्रथम, 3 द्वितीय एवं 10 तृतीय आर्य- रत्न पंडित रतिराम शर्मा एवं श्रीमती गिन्नीदेवी पुरस्कार होंगे

आयु समूह 16 वर्ष से अधिक

भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से आने वाले प्रतिभागियों के लिए
ए . 3 प्रथम, 3 द्वितीय और 10 तृतीय आर्य- रत्न पंडित रतिराम शर्मा और श्रीमती गिन्नीदेवी पुरस्कार होंगे।
बी. विदेश से आने वाले प्रतिभागियों के लिए 3 प्रथम, 3 द्वितीय और 10 तृतीय आर्य- रत्न पंडित रतिराम शर्मा और गिन्नी देवी पुरस्कार होंगे।

भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार राशि

1. प्रथम पुरस्कार INR 5000
2. द्वितीय पुरस्कार INR 3000
3. तीसरा पुरस्कार INR 2000

विदेशों से प्रतिभागियोंके लिए पुरस्कार राशि

1. प्रथम पुरस्कार USD 100
2. दूसरा पुरस्कार USD 75
3. तीसरा पुरस्कार USD 50

कुल पुरस्कारों की संख्या =64

नोट: यदि कुछ संगठन किसी भी श्रेणी को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार राशि में वृद्धि करना चाहते हैं, तो ऐसे संगठनों से प्राप्त वित्तीय सहयोग के आधार पर पुरस्कार राशि को बढ़ाया जाएगा। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान उनके योगदान का ससम्मान उल्लेख किया जाएगा।

पुरस्कार . . .

1. पुरस्कार 23 दिसंबर, 2021 को स्वामी श्रद्धानंद बलिदान - दिवस पर महर्षि दयानंद सरस्वती पीठ, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक हरियाणा में वितरित किए जाएंगे।

2. 70%या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विजेताओं को महर्षि दयानंद सरस्वती चेयर द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

3. परीक्षा विशुद्ध रूप से मानवता की भलाई के लिए और विश्व पर मानव के शांतिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण अस्तित्व के लिए आवश्यक सार्वभौमिक वैदिक मूल्य- प्रणाली के बारे में जागरूकता लाने के लिए आयोजित की जा रही है।

प्रायोजक

- पंडित श्री रतिराम शर्मा स्मृति समिति, सिलीगुड़ी ,प. बंगाल
- आर्य समाज द्वारका, सेक्टर 11 , नई दिल्ली
- वेद गुरुकुलम, करालमन्ना, केरल
- श्री विद्यासागर गर्ग , USA
- रामब्रिच परिवार, गयाना, दक्षिण अमेरिका

श्रीमती गिन्नी देवी (1929- 2013)

यज्ञ करने और आतिथ्य (वैदिक विद्वानों और गुरुकुल ब्रह्मचारी सहित) के लिए प्रतिबद्ध, ईश्वर-भक्त , ऋषि दयानंद और आर्य समाज को समर्पित, इदं न मम् " (यह मेरे लिए नहीं है) को जीवन में चरितार्थ करने वाली एक निस्वार्थ सच्ची कर्मयोगिनी। वह अपने पति आर्य- रत्न पंडित रतिराम शर्मा की मुख्य शक्ति और समाज सेवा के कार्यों के लिए प्रेरणा स्त्रोत और आजीवन सहयोगिनी रही । ऋषि दयानंद के प्रति उनके उद्गार इस प्रकार थे , " क्या कोई भी ऋषि दयानंद के बराबर हो सकता है?"

आर्य रत्न पंडित रतिराम शर्मा (1928- 2019)

- आर्य समाज के एक विनम्र कार्यकर्ता। उन्होंने अपना जीवन और सारे संसाधनों को ऋषि दयानंद और आर्य समाज को समर्पित किया ।
- सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) ने आर्य समाज, ऋषि भवन, डीएवी(दयानंद एंग्लो वैदिक) स्कूल, वैदिक विद्या प्रतिष्ठान की स्थापना की।
- चरित्र और राष्ट्र निर्माण में गुरुकुल शिक्षा की महान् भूमिका को हृदयंगम करते हुए उन्होंने अपने दो पुत्रों और दो पुत्रियों को शिक्षा के लिए गुरुकुल भेजा।
- शोधकर्ताओं, विद्वानों और अन्य छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने, विधवा पुनर्विवाह, बाढ़ राहत और अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियों में निरंतर संलग्न रहे ।
- विराट नगर (नेपाल) में गुरुकुल की स्थापना में अग्रिम भूमिका रही ।
- नेपाली तथा बांग्ला भाषा में सत्यार्थ प्रकाश के प्रकाशन में उल्लेखनीय ।
- नेपाल से छात्रों को भारत में विभिन्न गुरुकुलों और उपदेशक महाविद्यालयों में अध्ययन के लिए भेजने और वित्तीय सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका ।
- अंतर्राष्ट्रीय आर्य सम्मेलन में भाग लेने के लिए मॉरीशस (पत्नी के साथ) और लंदन का दौरा किया। उनकी अनुकरणीय सेवा के लिए उन्हें " आर्य-रत्न" की उपाधि से सम्मानित किया गया।
- श्री अटल बिहारी वाजपेयी का सिलीगुड़ी पधारने पार में अपने आवास पर मध्याह्न भोजन का आतिथ्य पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। (1967)
- सिक्किम के वर्तमान राज्यपाल माननीय श्री गंगा प्रसाद जी ने सिलीगुड़ी स्थित उनके आवास पर उनसे व्यक्तिगत मुलाकात की थी। (2019)